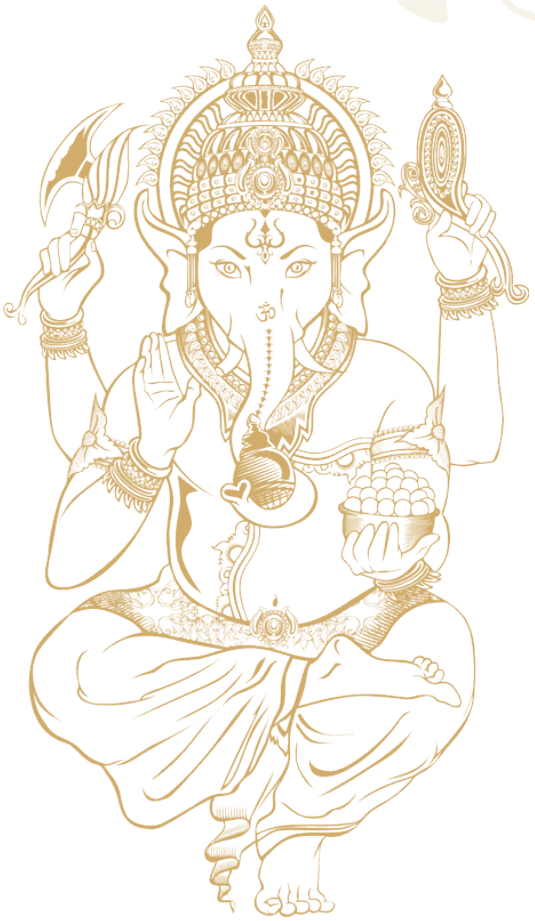

Mr.

27 Oct 2000

01:55 AM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121044603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26-27/10/2000**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**01:55:00 घंटे**
इष्ट	48:15:31 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:16:20 घंटे
वेलान्तर	00:16:04 घंटे
साम्पातिक काल	03:38:23 घंटे
सूर्योदय	06:36:47 घंटे
सूर्यास्त	18:08:24 घंटे
दिनमान	11:31:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:51:36 तुला
लग्न के अंश	02:54:39 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	प्रीति
करण	नाग
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	02:54:39	332:17:36	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	09:51:36	00:59:53	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			तुला	03:55:20	13:24:02	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	01:02:54	00:37:10	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	तुला	17:06:59	01:08:07	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	16:08:36	00:05:15	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	15:20:18	01:12:40	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि	व		वृष	05:27:27	00:04:08	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	24:45:22	00:12:40	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	24:45:22	00:12:40	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष			मक	23:01:53	00:00:01	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	09:57:44	00:00:23	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:27:21	00:01:56	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			वृष	03:01:32	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:49

लग्न-चलित

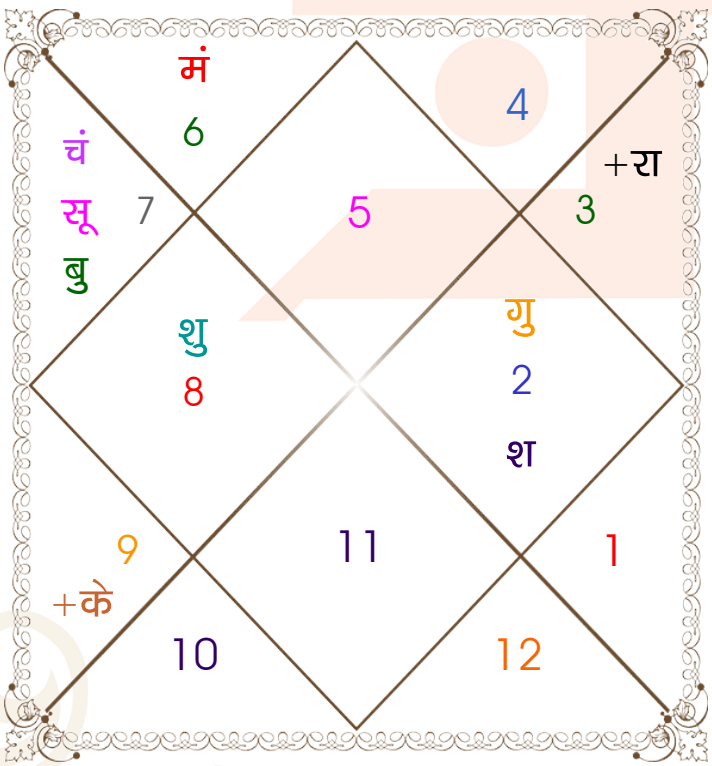

चन्द्र कुंडली

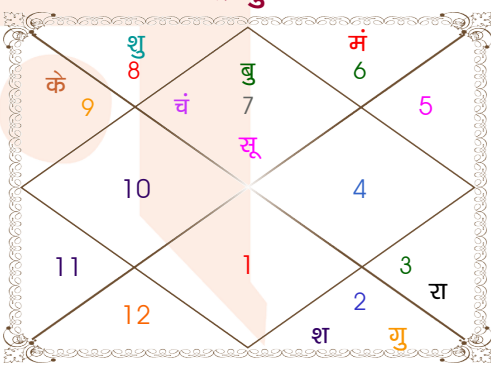

नवमांश कुंडली

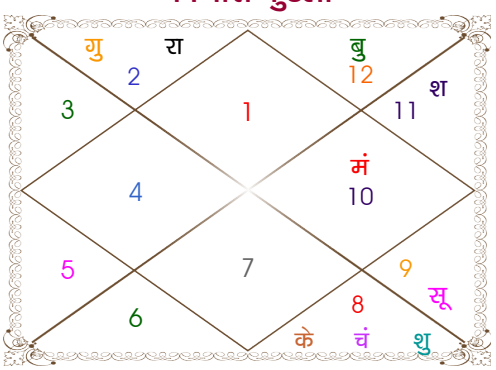

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 5 मास 8 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
27/10/2000		06/04/2002		05/04/2020		05/04/2036		06/04/2055	
06/04/2002		05/04/2020		05/04/2036		06/04/2055		05/04/2072	
	00/00/0000	राहु	17/12/2004	गुरु	25/05/2022	शनि	09/04/2039	बुध	02/09/2057
	00/00/0000	गुरु	13/05/2007	शनि	05/12/2024	बुध	17/12/2041	केतु	30/08/2058
	00/00/0000	शनि	19/03/2010	बुध	13/03/2027	केतु	26/01/2043	शुक्र	30/06/2061
	00/00/0000	बुध	05/10/2012	केतु	17/02/2028	शुक्र	28/03/2046	सूर्य	06/05/2062
	00/00/0000	केतु	23/10/2013	शुक्र	18/10/2030	सूर्य	10/03/2047	चंद्र	06/10/2063
	27/10/2000	शुक्र	23/10/2016	सूर्य	06/08/2031	चंद्र	08/10/2048	मंगल	02/10/2064
शुक्र	30/04/2001	सूर्य	17/09/2017	चंद्र	05/12/2032	मंगल	17/11/2049	राहु	21/04/2067
सूर्य	05/09/2001	चंद्र	19/03/2019	मंगल	11/11/2033	राहु	23/09/2052	गुरु	27/07/2069
चंद्र	06/04/2002	मंगल	05/04/2020	राहु	05/04/2036	गुरु	06/04/2055	शनि	05/04/2072

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
05/04/2072		06/04/2079		06/04/2099		07/04/2105		07/04/2115	
06/04/2079		06/04/2099		07/04/2105		07/04/2115		00/00/0000	
केतु	01/09/2072	शुक्र	06/08/2082	सूर्य	25/07/2099	चंद्र	05/02/2106	मंगल	03/09/2115
शुक्र	02/11/2073	सूर्य	06/08/2083	चंद्र	23/01/2100	मंगल	06/09/2106	राहु	21/09/2116
सूर्य	09/03/2074	चंद्र	06/04/2085	मंगल	31/05/2100	राहु	07/03/2108	गुरु	28/08/2117
चंद्र	09/10/2074	मंगल	06/06/2086	राहु	25/04/2101	गुरु	07/07/2109	शनि	06/10/2118
मंगल	07/03/2075	राहु	05/06/2089	गुरु	11/02/2102	शनि	05/02/2111	बुध	04/10/2119
राहु	24/03/2076	गुरु	04/02/2092	शनि	24/01/2103	बुध	07/07/2112	केतु	01/03/2120
गुरु	28/02/2077	शनि	06/04/2095	बुध	01/12/2103	केतु	05/02/2113	शुक्र	28/10/2120
शनि	09/04/2078	बुध	04/02/2098	केतु	06/04/2104	शुक्र	06/10/2114		00/00/0000
बुध	06/04/2079	केतु	06/04/2099	शुक्र	07/04/2105	सूर्य	07/04/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 5 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न के उदय काल में मेष राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। यह जन्मकालिक संयोजन उत्तम प्रकार की आकृति स्थापित कर आपकों उत्तम प्रकार का व्यवहार कुशल प्राणी बनाया है।

आप जंगल का राजा सिंह के समान हैं। आप सभी प्रकार की स्थिति का पर्यावलोकन करने के लिए समर्थ हैं आपको प्रकृति ने सभी प्रकार के पत्ते को छाँटने के लिए स्वामित्व प्रदान किया है। अर्थात आप सभी प्रकार के कार्य का सम्पादन कर सकते हैं।

प्रकृति ने आपको साहसी आत्मविश्वासी, नेतृत्व करने के गुणों से युक्त एवं समृद्धवान बनाया है। आप अच्छी प्रकार सोच विचार कर किसी भी विषय में कार्य करें तो आप विजयी हो सकते हैं। परन्तु विषय वस्तु को भली प्रकार अर्थात् सावधानी पूर्वक अग्रसारित करें। आप अन्य लोगों पर अपनी विश्वसनीयता का पूर्ण प्रभाव प्रदर्शित करते हैं। आप मुक्त हस्त से धन का दुरूपयोग करेंगे तो सन्देह है कि आप इस प्रकार समर्थ नहीं हो सकेंगे। फलस्वरूप इस प्रकार धन का दुरूपयोग करना शोभनीय नहीं है। आप ऐसा अनुभव करें जब आप वृद्धावस्था को प्राप्त होंगे तब तक आपके बैंक का शेष क्षीण हो जाएगा और आप धन के मामले में कमजोर हो जाएंगे। अन्य तथ्य यह है कि जब आपके धन की थैली अन्य के सहयोग में खर्च हो जाएंगे तथा आप इस प्रकार उदारता बरतने के अभिलाषी रहे तो आपकी आकांक्षा अधूरी रह जाएगी। अतः आप दृढ़तापूर्वक अपनी (फिजूल खर्ची) अपव्यय को नियंत्रित करना परमावश्यक है। अतः आप इस प्रवृति का परित्याग करें अन्यथा आपके जीवन के अन्त समय में धन का अभाव कष्टदायक एवं अनुभव पूर्ण रहेगा।

आपकी प्रवृति धार्मिक है। आप धर्मपारायण एवं अपने माता-पिता के प्रति निष्ठावान हैं। आपकी अभ्युक्ति सेवा भावना की रहती है तथा आप विश्वास पूर्वक मानव सेवा को भगवान की सेवा समझते हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए अभावग्रस्त व्यक्तियों को निश्चित रूप से दान करना अनिवार्य है। अर्थात् आप पर्याप्त मात्रा में दान करने में सुखानुभूति करते हैं।

आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप भव्य, दीर्घकाय, चौड़े कन्धे वाले मुलायम और घने बालों वाले समय से पूर्व गंजा हो जाने वाले, वर्त्तमान काल के प्रभावशाली हुक्म चलाने वाले एवं प्रतिभा सम्पन्न दबंग व्यक्ति है। इसलिए आपके अनुकूल पद-प्रतिष्ठा हेतु प्रबन्धक भारी उद्योग/कम्पनी के उच्चाधिकारी या निगम के उच्चाधिकारी का पद उपयुक्त है। आरामदायक वस्तुओं का निर्माण करना अथवा ट्रेडिंग का कार्य करने से अच्छी आय होगी। विडियों कैमरा का कार्य व्यवसाय भी उत्तम होगा। अथवा इसके अतिरिक्त आप व्यवसायों में वित्तीय व्यवसाय बन्धक कार्य, भूमि भवन सम्बंधी क्रय-विक्रय, किराया, भूमि एवं कृषि कार्य अथवा पठन-पाठन, शैक्षणिक संस्थान का संचालन कार्य व्यवसाय भी आपके योग्य है।

सिंह लग्न/राशीय प्रभावित गुणों के आधार पर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। संयोगवश यदा-कदा ज्वर पीड़ा से आक्रान्त भी हो सकते हैं परन्तु शीघ्रतापूर्वक आरोग्य लाभ

प्राप्त कर लेंगे। क्योंकि आप के शरीर में लौह गुण (शक्ति) विद्यमान है। इसके बाद सिंह राशीय निर्देशानुसार आप हृदय रोग, पीठ के रीढ़ की हड्डी रोगादि आपके स्वास्थ्य में न्यूनता ला सकता है। परिणाम स्वरूप हृदय की धड़कन शोथ रोग तथा सिर में चक्कर आना संभाव्य है। अस्तु उत्तम तो यह होगा कि आप अधिक भोजन करना तथा अत्यधिक मद्यपान करने वाली प्रवृति का त्याग करें। यदि आप पूर्णिमा का व्रत रखें तो यह अनिष्टकारी प्रभाव से रक्षा करने में सहायक होगा। आप प्रसन्नतम एवं आनन्ददायक पारिवारिक जीवन तथा स्वस्थ सन्तान एवं समझदार पत्नी को सुख प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 2 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है। आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे। ब्लू, सफेद एवं काला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।